

आधार कार्ड ने मिलवाया बिछड़े मां-बाप से

गौरव 2015 में पानीपत में अपने घर के आगे से गायब हो गया था

Prachi.Yadav
@timesgroup.com

■ **नई दिल्ली :** पिछले कुछ सालों से अनाथालय में रह रहे गौरव ने कभी सोचा भी नहीं होगा कि एक बार गुम होने के बाद वह फिर कभी अपने परिवार के पास लौट पाएगा। लेकिन एक अहम सरकारी कागज पर दर्ज उसकी पहचान ने उसे यह खुशी लौटा दी है। जो काम जांच एजेंसियां न कर सकीं, वह काम एक आधार कार्ड ने कर दिखाया। इस कार्ड की वजह से ही आज नौ साल का गौरव पानीपत में रहने वाले अपने परिवार के पास लौट गया है। अपने बड़े बेटे के वापस मिलने से विकास और गीता की खुशी का ठिकाना नहीं है। पानीपत में रहने वाले विकास बताते हैं कि साल 2015 में रविवार का दिन था, गौरव शाम को घर के बाहर खेलते हुए अचानक से कहीं गायब हो गया। उन्होंने स्थानीय पुलिस में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई, अखबार से लेकर टीवी तक में विज्ञापन दिए, पच्चीस भी बंटवाए, लेकिन उनके बेटे की कहीं कोई खबर नहीं मिली। हालांकि इस दौरान उन्होंने बेटे को वापस पाने की आस नहीं छोड़ी और उनकी उम्मीद को हकीकत की जमीन दी गौरव

परिवार के पास लौटा

- एनरोलमेंट के दौरान ही पता चला कि यह बच्चा पहले से एनरोल है
- बच्चे के घर का पता और पिता का नंबर लेकर उन्हें सौंपा बच्चा



के आधार कार्ड ने जो गुमशुदगी से पहले ही उसका बन चुका था। बच्चे को उसके मां-बाप से मिलवाने वाले ट्रस्ट सलाम बालक के कोऑर्डिनेटर संजय दूबे बताते हैं कि दिल्ली महिला आयोग की ओर से

संचालित 'पालना' नाम की एनजीओ ने इस बच्चे को उनके यहां ट्रान्सफर किया था, क्योंकि वहां आठ साल तक के ही बच्चे रह सकते थे। यहां आने के बाद बच्चे की मेडिकल और मनोवैज्ञानिक स्तर पर जांच करवाई गई। इसमें गौरव के स्पेशल होने का पता चला। दूबे ने बताया कि सायकायट्रिस्ट ने गौरव को ADSP (अल्जाइमर डिजीज सीक्वेंसिंग प्रोजेक्ट) से ग्रसित बताया। वह अपने और अपने माता-पिता के नाम के सिवा कुछ नहीं बता पा रहा था। इसी बीच आधार कार्ड वालों की तरफ से एक कैंप लगवाया गया, जहां ट्रस्ट के बच्चों को आधार कार्ड बनवाने के लिए ले जाया गया। एनरोलमेंट की प्रक्रिया के दौरान ही पता चला कि यह बच्चा पहले से एनरोल है। यूनिट आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (UIDAI) की मदद से बच्चे के घर का पता और पिता का नंबर मिला। उसी नंबर पर कॉल कर सोमवार को गौरव के परिवार को यहां दिल्ली बुलाया गया और उनका बच्चा उनको सौंप दिया गया। इसी तरह डीएमआरसी चिल्ड्रन होम में रहने वाले दो और बच्चों के परिवारवालों का पता चला है, जिन्हें उनके परिवार से मिलवाने की प्रक्रिया तेजी से चल रही है।